CONSENT LETTER

AGARIYA LOH

ABSTRACT
List of consent letter collected for the nomination.

DRONAH

JULY 2025

Consent Letter

S.no	Name	Designation	Association with the craft	Date of Consent
1.	**Mr. Moti Singh** (Kuthela,MP)	Traditional Iron-smelter and Cultural Custodian of the Agariya Community	Artisan	29 July
2.	**Mr. Santu Marwai** (Dindori,MP)	Traditional Iron-smelter and Cultural Custodian of the Agariya Community	Artisan	29 July
3.	**Smt. Rama bai** (Dindori,MP)	Traditional Iron-smelter	Artisan	29 July

Consent Letter – 1

(Moti singh –Kuthela, MP)

स्वीकृति पत्र

हम, अगिरिया समुदाय के लोग, पारंपरिक रूप से लोहे के निर्माण से जुड़े हैं। यह हमारे पूर्वजों से मिला हुआ ज्ञान है, जो हमारे जीवन, संस्कृति और पहचान का अभिन्न हिस्सा है।

हम सरकार से निवेदन करते हैं कि अगिरिया लोहे की परंपरागत शिल्पकला को यूनेस्को की प्रतिनिधि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में नामांकित करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएँ।

हम इस प्रक्रिया में अपनी पूर्ण सहमति और संपूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं।

सादर,

नाम – मोती सिंह

हस्ताक्षर – [signature]

संपर्क – 9977870262

तारीख – 22/03/1970

ग्राम - कुठेला

जिला - डिंडोरी (म० प्र०)

Consent Letter – 2

(Santu singh marvi – Dindori, MP)

स्वीकृति पत्र

हम, अगिरिया समुदाय के सपूत और सपूतियाँ, अपनी पीढ़ियों से चली आ रही लोहे की परंपरा के संरक्षक हैं। यह कला हमारे पूर्वजों की तपस्या, कौशल और जीवन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। अगिरिया लोहे का निर्माण केवल एक पेशा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी आत्मा और हमारे अस्तित्व की धड़कन है।

हमें गर्व है कि हमारी इस अनमोल विरासत को विश्व स्तर पर पहचान मिले। इसलिए हम पूरी निष्ठा और दिल से इस बात का समर्थन करते हैं कि अगिरिया लोहे की प्राचीन और अनूठी शिल्पकला को यूनेस्को की प्रतिनिधि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाए।

इस महत्वपूर्ण यात्रा में हम अपनी हर संभव सहायता देने को तत्पर हैं, ताकि हमारी संस्कृति का यह गहना सदियों तक चमकता रहे।

सादर और सम्मानपूर्वक,

नाम – सन्तु सिंह मरावी अगरिया जनजाति (डिंडोरी म.प्र.)

हस्ताक्षर – सन्तुसिंह मरावी

संपर्क – 8461804503

तिथि – 29/7/25

Consent Letter – 3

(Smt. Rama bai marvi – Dindori, MP)

स्वीकृति पत्र

हम, अगिरिया समुदाय के सपूत और सपूतियाँ, अपनी पीढ़ियों से चली आ रही लोहे की परंपरा के संरक्षक हैं। यह कला हमारे पूर्वजों की तपस्या, कौशल और जीवन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। अगिरिया लोहे का निर्माण केवल एक पेशा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, हमारी आत्मा और हमारे अस्तित्व की धड़कन है।

हमें गर्व है कि हमारी इस अनमोल विरासत को विश्व स्तर पर पहचान मिले। इसलिए हम पूरी निष्ठा और दिल से इस बात का समर्थन करते हैं कि अगिरिया लोहे की प्राचीन और अनूठी शिल्पकला को यूनेस्को की प्रतिनिधि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाए।

इस महत्वपूर्ण यात्रा में हम अपनी हर संभव सहायता देने को तत्पर हैं, ताकि हमारी संस्कृति का यह गहना सदियों तक चमकता रहे।

सादर और सम्मानपूर्वक,

नाम – श्रीमति रामबाई मरावी जिला डिण्डौरी (म.प्र)

हस्ताक्षर – रामबाई मरावी

संपर्क – 9424733109

तिथि – 29/7/25